चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	07.08.2020	02	03-06

एचएयू स्थित एबिक सेंटर की ओर से ओरिएंटेशन प्रोग्राम, प्रो. समर सिंह ने रखे विचार

किसान को पिछले 70 वर्षों में वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसके हकदार हैं

भास्कर न्यूज | हिसार

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय स्थित एबिक सेंटर की ओर से ऑनलाइन आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसका वह हकदार हैं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा, उस दिन उनका सपना साकार होगा। एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है, जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम का फायदा उठाने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यक्रम के शुभारंभ पर कार्यक्रम की संचालक व एबिक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फौगाट ने पूरी टीम का परिचय करवाते हुए सभी का स्वागत किया। एबिक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में जानकारी दी। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। इस दौरान वेबिनार में सह संचालक कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	07.08.2020	12	06-08

अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ हकृवि में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। उक्त विचार हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहें थे। उन्होनें कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नही करवा पाए जिसका वह हकदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एबिक द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। कार्यक्रम की संचालक व एबिक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने पूरी टीम का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	07.08.2020	03	03-05

नाइट्रोजन आक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। किसानों को पराली जलाने की बजाय उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए।

यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर वीरवार को आयोजित ऑनलाइन वक्तव्य शृंखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत किया गया था। वीसी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबंधन एक समस्या है। पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। प्रो. सिंह ने बताया कि विवि में इसके लिए इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीवेस्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है, जो जल्द ही धान पराली प्रबंधन शुरू कर किसानों की पराली प्रबंधन की समस्या को काफी हद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस वक्तव्य शृंखला का आयोजन 16, 23, 30 जुलाई व 6 अगस्त को किया गया था। इसके मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड, आस्ट्रेलिया में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर ऐंड फूड साइंस में कार्यरत डॉ. यशडांग थे।

पराली जलाने से निकलती हैं जहरीली गैसें, पराली प्रबंधन अपनाने का आह्वान

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम : कुलपति

हिसार। किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए, जिसका वह हकदार है। जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा, उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है, जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। कार्यक्रम में एबिक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फौगाट, सीईओ हार्दिक चौधरी, नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि, कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	07.08.2020	04	06-07

देश के अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम : कुलपति

हकृवि में स्थित एबिक सैंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

हिसार, 6 अगस्त (ब्यूरो): किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे।

एबिक सैंटर में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी व कर्मचारी।

वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सैंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए, जिसका वह हकदार है।

प्रो. सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान 5 सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। एबिक के सी.ई.ओ. हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में जानकारी दी। एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	07.08.2020	04	04-05

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

हिसार, 6 अगस्त (ब्यूरो): पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य दे रहे थे। इसका आयोजन विश्व-विद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबधंन एक समस्या है। पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पोषक तत्वों की हानि भी होती है। प्रो. सिंह ने कहा कि उचित प्रबधंन द्वारा इन पोषक तत्वों को वापस भूमि में फसल उत्पादन के लिए लिया जा सकता है। इस दौरान डॉ. यशडांग ने कुलपति प्रो. समर सिंह से धान की पराली प्रबधंन पर विशेष बातचीत की।

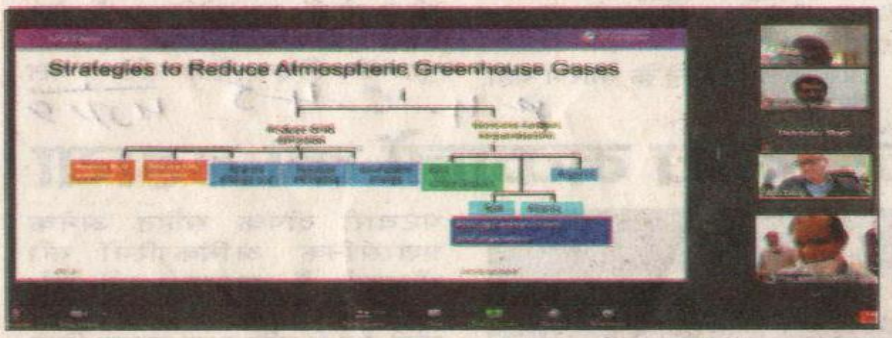

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.08.2020	04	07-08

नाइट्रोजन ऑक्साइड व मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका

जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत हुआ। इसमें कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। इस व्यक्तव्य श्रृंखला के मुख्य वक्ता आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीनसलैंड से डा. यशडांग रहे। डा. यशडांग ने कुलपति प्रों समर सिंह को बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्म जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने छात्रों व वैज्ञानिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप व शोध के लिए फंडिग के बारे में विस्तार से बताया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा क्वात्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलोशिप प्राप्त करने में मद्द मिलेगी व छात्रों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.08.2020	04	06

एबिक सेंटर के जरिये स्वरोजगार तैयार करने की दी जानकारी

जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित हुआ। इसमें प्रतिभागियों से रूबरू होते हुए कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है। किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नहीं करवा पाए जिसका वह हकदार है। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है, जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। कार्यक्रम का संचालन व एबिक एबीआइ मैनेजर निशा मलिक फोगाट, सीईओ हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरकेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.08.2020	03	06-08

मानसून फिर से सक्रिय, मौसम हुआ सुहाना, छाए पहाड़ से काले बादल

जागरण संवाददाता, हिसार: प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून एक बार फिर से सक्रिय दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों से नमी वातावरण में पहले से ही मौजूद थी तो गर्मी ने तापमान बढ़ा रखा था, जिसके कारण वीरवार को एक डिस्टर्बेंस तैयार हुआ। जिसके कारण मौसम में परिवर्तन हुआ, जिससे मौसम सुहाना हो गया। यही नहीं आसमान में सायं से ही घनघोर काले पहाड़ से बादल दिखाई दिए। हिसार में दिन के समय तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

8 अगस्त तक मौसम परिवर्तनशील रहने की

विज्ञानियों ने 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बरसात होने की संभावना जताई

संभावना: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बनने वाले एक निम्न दबाव के क्षेत्र से मानसूनी हवाओं की सक्रियता मध्य एवम दक्षिण पश्चिमी भारत मे ज्यादा रहने की संभावना है, जिससे हरियाणा राज्य की तरफ आने वाली कमजोर मानसूनी हवाएं से 8 अगस्त तक राज्य में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने, बीच-बीच मे बादलवाई आने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

इस दौरान वातावरण में नमी अधिक होने तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने से कहीं -कहीं गरज-चमक वाले बादल बनने से कुछ एक स्थानों पर हवाओं के साथ हल्की बारिश भी संभावित है। बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना से 8 अगस्त से मानसूनी हवाओं की फिर से मैदानी क्षेत्रों की तरफ सक्रियता बढ़ने की संभावना है, जिससे 9 अगस्त से 11 अगस्त के बीच राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारीश होने की संभावना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.08.2020	--	--

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य लृंखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतर्राष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवंतन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबधंन एक समस्या है। पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पौषक तत्वों की हानि भी होती है।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र सिंह ने बताया कि इस दौरान डॉ. यशडांग ने कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से धान की पराली प्रबधंन पर विशेष बातचीत की जिसमें उन्होनें बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्मजीवों पर बुरा प्रभाव पडता है जिसके लिए नाइट्रोजन व मीथेन गैस मुख्य घटक हैं। स्नातकोत्तर अधिष्ठाा डॉ. आशा क्वात्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलोशिप प्राप्त करने में मदद मिलेगी व छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.08.2020	--	--

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम् : कुलपति समर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहें थे। उन्होनें कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नही करवा पाए जिसका वह हकदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एबिक

हिसार। एबिक सेंटर में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व उपस्थित एबिक के अधिकारी व कर्मचारी।

द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान् किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। इस दौरान कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम की संचालक व एबिक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने पूरी टीम का परिचय करवाते हुए सभी का स्वागत किया। एबिक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरकेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी। एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने स्टार्टअप के नवीन विचारों के बारे में बताते हुए इसके छह महत्वपूर्ण स्तंभों के बारे में बताया। इस दौरान वेबिनार में सह संचालक कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	06.08.2020	--	--

पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है : कुलपति

हिसार/06 अगस्त/रिपोर्टर

पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। यह बात जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य श्रृंखला को संबोधित करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबधंन एक समस्या है। पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पोषक तत्वों की हानि भी होती है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि उचित प्रबधंन द्वारा इन पोषक तत्वों को वापिस भूमि में फसल उत्पादन के लिए लिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इसके लिए इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीबेस्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है जो जल्द ही धान पराली प्रबधंन का कार्य शुरू कर किसानों की पराली प्रबधंन की समस्या को काफी हद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस व्यक्तव्य श्रृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. यशडांग थे जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीनसलैंड, आस्ट्रेलिया में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड साइंस में कार्यरत हैं। डॉ. यशडांग ने जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा, भूमि और जलवायु परिवर्तन के विरोध में हमारे साथी, जलवायु परिवर्तन में नाइट्रोजन व जलवायु परिवर्तन में मिथेन पर अपने व्यक्तव्य दिए। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र सिंह ने बताया कि इस दौरान डॉ. यशडांग ने कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से धान की पराली प्रबधंन पर विशेष बातचीत की जिसमें उन्होंने बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्मजीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है जिसके लिए नाइट्रोजन व मीथेन गैस मुख्य घटक हैं। उन्होंने छात्रों व वैज्ञानिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप व शोध के लिए फंडिंग के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	06.08.2020	--	--

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की अहम भूमिका : प्रो. सिंह

हकृवि में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नहीं है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहें थे। उन्होंने कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नही करवा पाए जिसका वह हकदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है।

उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एबिक द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान् किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। इस दौरान कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम की संचालक व एबिक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने पूरी टीम का परिचय करवाते हुए सभी का स्वागत किया। एबिक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

डॉ. सीमा ने दी जानकारी

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरकेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी। एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने स्टार्टअप के नवीन विचारों के बारे में बताते हुए इसके छह महत्वपूर्ण स्तंभों के बारे में बताया। इस दौरान वेबिनार में सह संचालक कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : कुलपति

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य लृंखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिर्वतन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबर्धन एक समस्या है। पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पौषक तत्वों की हानि भी होती है।

इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीवेस्ट मैनेजमेंट होगा मददगार

उन्होनें बताया कि विश्वविद्यालय में इसके लिए इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीवेस्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है जो जल्द ही धान पराली प्रबर्धन का कार्य शुरू कर किसानों की पराली प्रबर्धन की समस्या को काफी हद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। इस व्यक्तव्य लृंखला का आयोजन 16, 23, 30 जुलाई व 6 अगस्त को किया गया था। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस व्यक्तव्य लृंखला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक समुदाय के लिए ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जलवायु परिवर्तन पर महत्वपूर्ण जानकारियां आदान-प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस व्यक्तव्य लृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. यशडांग थे जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीनसलैंड, आस्ट्रेलिया में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड साइंस में कार्यरत हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.08.2020	--	--

पराली जलाने से निकलती हैं जहरीली गैसें, पराली प्रबंधन अपनाने का आह्वान

नाइट्रोजन ऑक्साइड और मिथेन की जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

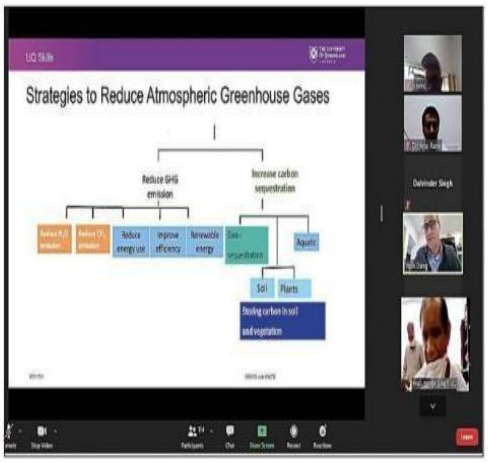

हिसार। पराली जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इसलिए किसानों को पराली जलाने की बजाए उसके उचित प्रबंधन को अपनाना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे जलवायु परिवर्तन विषय को लेकर आयोजित एक ऑनलाइन व्यक्तव्य लृंखला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता स्नातोकत्तर कार्यालय व अंतरराष्ट्रीय संयोजक के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवंतन एक वैश्विक मुद्दा है और उत्तर भारत में धान की पराली प्रबधंन एक समस्या है। पराली के जलने से सांस लेने योग्य वायु का स्तर गिरता है व तापमान में वृद्धि के कारण ग्लोबल वार्मिंग होती है। इसके साथ-साथ खेत में पड़े अवशेष जलाने से पौषक तत्वों की हानि भी होती है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि उचित प्रबधंन द्वारा इन पौषक तत्वों को वापिस भूमि में फसल उत्पादन के लिए लिया जा सकता है।

इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीवेस्ट मैनेजमेंट होगा मददगार

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इसके लिए इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीवेस्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है जो जल्द ही धान पराली प्रबधंन का कार्य शुरू कर किसानों की पराली प्रबधंन की समस्या को काफी हद तक हल करने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। इस व्यक्तव्य लृंखला का आयोजन 16, 23, 30 जुलाई व 6 अगस्त को किया गया था। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस व्यक्तव्य लृंखला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक समुदाय के लिए ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जलवायु परिवर्तन पर महत्वपूर्ण जानकारियां आदान-प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस व्यक्तव्य लृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. यशडांग थे जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीनसलैंड, आस्ट्रेलिया में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड साइंस में कार्यरत हैं। डॉ. यशडांग ने जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दा, भूमि और जलवायु परिवंतन के विरोध में हमारे साथी, जलवायु परिवर्तन में नाइट्रोजन व जलवायु परिवर्तन में मिथेन पर अपने व्यक्तव्य दिए। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र सिंह ने बताया कि इस दौरान डॉ. यशडांग ने कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से धान की पराली प्रबधंन पर विशेष बातचीत की जिसमें उन्होंने बताया कि पराली जलाने पर वैश्विक स्तर पर जलवायु व भूमि के सूक्ष्मजीवों पर बुरा प्रभाव पडता है जिसके लिए नाइट्रोजन व मीथेन गैस मुख्य घटक हैं। उन्होंने इस अवसर पर छात्रों व वैज्ञानिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप व शोध के लिए फंडिग के बारे में विस्तार से बताया। स्नातकोत्तर अधिष्ठा डॉ. आशा क्वात्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलोशिप प्राप्त करने में मदद मिलेगी व छात्रों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त होगा। अंतरराष्ट्रीय माामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इस व्यक्तव्य लृंखला में 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**06.08.2020**	--	--

देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में अन्नदाता की भूमिका अहम् : प्रोफेसर समर सिंह

August 6, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित

हिसार : 6 अगस्त

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए देश के अन्नदाता की भूमिका अहम होती है और किसान की मेहनत का कोई सानी नही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर द्वारा ऑनलाइन आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम के प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहें थे। उन्होनें कहा कि किसान को पिछले 70 वर्षों में भी वह प्लेटफार्म उपलब्ध नही करवा पाए जिसका वह हकदार है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जिस दिन किसान पांच सितारा होटल में बैठकर मीटिंग करना शुरू कर देगा उस दिन उनका सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि एबिक उत्तर भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जहां कृषि औद्योगिक स्टार्टअप को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और केवल एक साल के कार्यकाल में ही समाज के लिए बहुत कुछ किया है।

उन्होंने इनक्यूबेटी को मेहनत करके और कृषि क्षेत्र में देश को आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एबिक द्वारा किये जा रहे हर प्रयास को सफल करने से विश्वविद्यालय पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस केंद्र द्वारा आयोजित ओरियंटेशन प्रोग्राम का अधिक से अधिक फायदा उठाने का आह्वान् किया। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यह केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति के स्वाभिमान व आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर देश के युवाओं, किसानों और प्रथम पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर को आगे ले जाने में मददगार हो रहा है। इस दौरान कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम की संचालक व एबिक एबीआई मैनेजर निशा मलिक फोगाट ने पूरी टीम का परिचय करवाते हुए सभी का स्वागत किया। एबिक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने एबिक संस्थान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने कुलपति का स्वागत करते हुए एबिक में नए एग्री स्टार्टअप को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में कार्यरत आरकेवीवाई के पहल व सफल प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी। एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने स्टार्टअप के नवीन विचारों के बारे में बताते हुए इसके छह महत्वपूर्ण स्तंभों के बारे में बताया। इस दौरान वेबिनार में सह संचालक कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल, अर्पित तनेजा व विक्रम सिंधु भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	06.08.2020	--	--

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर होगा मंथन

Posted on August 6, 2020 by Admin (https://julmsejung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर मंथन होगा। यह जानकारी देते हुए वेबिनार के संयोजक एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि यह वेबिनार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा.निर्देश व कुशल नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि से इसी विभाग से सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् में सेवानिवृत्त प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर डॉ. आर.के.वालिया होंगे। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। डॉ. आर.एस. कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि बीमारी की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिक अपने विचार सांझा करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में समय-समय पर किसानों के हितों के लिए इस तरह के आयोजन करते रहते हैं ताकि किसानों को किसी भी फसल संबंधी कोई समस्या न आए और उनका आर्थिक विकास हो। इस वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अनिल कुमार व डॉ. जे.ए. पाटिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	06.08.2020	--	--

महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा

Posted on August 6, 2020 by Admin (https://julmsejung.com/?author=1) |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देश व कुशल नेतृत्व में किया जाएगा। स्तनपान सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से आयोजित इन प्रतियोगिताओं को गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। इसके तहत पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रेसिपी बनाना और स्लोगन प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ्य शिशु के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिताओं के परिणाम अगले दिन निकाले जाएंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।